Date :

HISTORY (H)
B.A- II (Hon.)
UNIT - 2

BHAKTI Movements.

⇒ भारत में भक्ति आँदोलन के कारण :-

महयकालीन भारतीय इतिहास में भक्ति आंदोलन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। भारत में उत्पत्ति के निम्न कारण थे :-

⇒ आश्रय की खोज :-

भारत में जब मुस्लिम राज्य की स्थापना हो गई थी तब हिन्दू जनता ने मुस्लिम प्रभुत्व से मुक्ति के लिए ईश्वर की शरण ली। संतों ने ईश्वर की प्राप्ति के

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

लिए भक्ति के मार्ग को अपनाने पर बल दिया।

→ मुस्लिम शासकों का अत्याचार -
मुस्लिम शासकों ने हिन्दुओं के राजनीतिक एवं आर्थिक अधिकारों से वंचित कर दिया। हिन्दू अपने ही देश में विदेशी बन गये। क्योंकि जजिया कर देने के बाद भी उसे मुस्लिम राज्य का नागरिक नहीं माना जाता था।
हिन्दू जनता मूर्ति-पूजा के माध्यम से मुक्ति में विश्वास करती थी किन्तु जब मुस्लिम शासकों ने उनके मंदिरों को तोड़ा और मूर्तियों को नष्ट किया तो उनकी धार्मिक उपासना को काफी ठेस पहुँची। अपनी रक्षा के लिए हिन्दुओं ने ईश्वर से प्रार्थना की जो कि भक्ति आंदोलन

Scanned with CamScanner

Date :

को बल मिला जो कि उत्तरी भारत में काफी सक्रिय हो गया।

⇒ जाति व्यवस्था की जटिलता :-

~~मुसलमा~~ मुसलमानों ने भारत में आगमन के बाद भारत में जाति व्यवस्था को जटिल बना दिया था। शूद्र वर्ग लोग वेद का पाठ भी नहीं कर सकते थे। न ही वे यज्ञ कर सकते थे। इसलिए इस वर्ग का उच्च वर्ग के लोगों के बीच गहरा असंतोष व्याप्त था। इसका परिणाम यह हुआ कि ये सभी लोग भक्ति आंदोलन के प्रति आकर्षित हुए।

⇒ इस्लाम के प्रसार का प्रभाव :-

मुस्लीम धर्म के प्रचार प्रसार को देखते हुए हिन्दुओं

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

ने सुधार करना आवश्यक समझा। निम्न वर्ग के लोग मुस्लिम धर्म के प्रति ज्यादा अग्रसर हो गये थे। इसलिए उनके लिए मोक्ष का द्वार खोलना आवश्यक समझा गया। इस प्रकार हिन्दू धर्म का प्रचार-प्रसार किया गया जो भक्ति आंदोलन का रूप ले लिया।

अब हिन्दू एकेश्वरवाद की ओर आकर्षित होना शुरू हो गया। इसलिए धर्म के प्रचार पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। वैष्णव व शैव मत के विस्तार से प्रचार-प्रसार हुआ। वैष्णव ने विष्णु के अवतार का प्रचार किया। इस प्रकार भक्ति आंदोलन एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले लिया।

Scanned with CamScanner

Date :

⇒ सूफी मत का प्रभाव :-

सूफी संतों ने उदारता सहिष्णुता व प्रेम के साथ एकेश्वरवाद इस्लाम का प्रचार - प्रसार किया था। जिससे जनता पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा।

अब हिन्दुओं ने भी अपने धर्म के आडम्बरों एवं बुराईयों को दूर करने का निश्चय किया। हिन्दू में जाति - पाती छुआछूत आदि व्याप्त थी। इसे दूर करने का प्रयास किया गया। कई सामाजिक आंदोलन हुए कि जो हिन्द में एकता के प्रति जागरूकता का काम किया तथा अपने धर्म व हिन्द के प्रति जागरूकता फैलाने का काम किया जिसमें भक्ति आंदोलन ने महत्वपूर्ण

Scanned with CamScanner

SELCO

Date : ____________

भूमिका अदा किया।

इस प्रकार तत्कालीन परिस्थितियों के कारण जिनमें इस्लाम के प्रभुत्व व ईश्वरवाद के विकास के कारण भारत में भक्ति आंदोलन का उदय संभव हो सका।

DR. UDAY KUMAR.
DR. L.K.V.D. College, Tajpur.

Scanned with CamScanner